ओमशान्ति मीडिया

वर्ष -14 अंक 16 नवम्बर -II, 2013 (पाक्षिक) माउण्ट आबू मूल्य 7.50 रु.

खुद में बदलाव लाकर ही बदल सकते हैं विश्व की तस्वीर

जनरल वी.के.सिंह ने लिया ब्रह्माकुमारीज़ संस्था के अंतर्राष्ट्रीय महासम्मेलन में भाग

शांतिवन। पूर्व थल सेनाध्यक्ष जनरल वी.के.सिंह ने कहा कि पहले अंग्रेजों ने देश को बांटने का काम किया, लेकिन अब हमारे देश को धर्म और जाति के नाम पर बांटने का प्रयास हो रहा है। ऐसे लोगों को कभी भी शह नहीं देनी चाहिए। आज जरूरत है देश को बचाने की।

वे शनिवार को ब्रह्माकुमारी संस्था के शांतिवन परिसर में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय महासम्मेलन एवं सांस्कृतिक महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्था एकता और अहिंसा का संदेश पूरे विश्व में दे रही है, उससे बढ़कर और कोई चीज़ नहीं है। जब हम अपने मन से बुरे विचारों को निकालेंगे तभी हम जनकल्याण का कार्य कर पाएंगे। आज आवश्यकता है त्याग की, सेवाभाव की, देशभक्ति की और स्वयं के लिए न जीकर दूसरों के लिए जीने की। हम एक ऐसे देश का निर्माण करें जो सुदृढ़ हो, जिसके नागरिक शक्तिवान और चरित्रवान हों। आज हमें देश से भ्रष्टाचार को दूर करने की आवश्यकता है। लिम्का ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज़ प्राइवेट लि. के अध्यक्ष एस. कोनडल राव ने कहा कि मैंने यह अनुभव किया है कि खुद में बदलाव के बिना दुनिया की तस्वीर नहीं बदली जा सकती। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा दिए जा रहे ज्ञान के चार आधार हैं-सोल, सुप्रीम सोल, ड्रामा और प्युरिटी। ब्रह्माकुमारीज़ ने बड़ी संख्या में बहनों के माध्यम से समाज सेवा और व्यक्ति के चरित्र निर्माण के कार्य को आगे बढ़ाया है जो कि देश के सामने एक मिसाल है।

अशांति विश्व की चिंता

संस्था की मुख्य प्रशासिका दादी जानकी ने कहा कि आज जिस तरह से अशांति विश्व में फैलती जा रही है वह चिंता का विषय है। इसके लिए हमें पहले स्वयं के लिए शांति की आवश्यकता है। हम शांति की अनुभूति तभी कर पाएंगे जब हम स्वधर्म में स्थित होंगे। संस्था के कार्यकारी सचिव ब्र.कु.मृत्युंजय समेत कई लोगों ने विचार व्यक्त किये। इसके बाद वी.के.सिंह ने संस्था की गतिविधियों की जानकारी ली। इसके साथ ही उन्होंने संस्था की सराहना की। संस्था प्रमुख दादी जानकी ने शॉल ओढ़ाकर उन्हें सम्मानित किया।

देश-विदेश के कलाकारों की प्रस्तुतियां बेमिसाल

कार्यक्रम में देश व विदेश के कलाकारों ने शानदार प्रस्तुतियां देकर सबका मन मोह लिया। सुप्रसिद्ध गायिका लता मंगेशकर की बहन उषा मंगेशकर ने शांतिवन में देर रात तक अपने सुरों का जादू बिखेरा। उन्होंने कई तरह के गीतों पर अपनी प्रस्तुतियां देकर दर्शकों का मनोरंजन किया। देश और दुनिया के कोने-कोने से आए लोगों को उन्होंने भारतीय संस्कृति और भक्ति संगीत से सराबोर किया।

- देशमुख,अहमदनगर

गीता ज्ञान से ही स्वर्ग की प्राप्ति

सम्पूर्ण अहिंसक स्वर्णिम संसार विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार

गीता ज्ञान न सिर्फ आध्यात्मिक उत्कर्ष और सर्वप्राप्ति का साधन है, बल्कि यही ज्ञान स्वर्ग का द्वार खोलने के भी निमित्त बनता है, इसी तरह के विचार सेमिनार में व्यक्त किए गए।

जबलपुर - प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय व राजयोगा एज्युकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन के तत्वावधान में 'अहिंसा परमोधर्मः व श्रीमद्भगवद्गीता' विषय पर चतुर्थ राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधानसभा अध्यक्ष ईश्वरदास रोहाणी एवं हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी चक्रपाणी ने दीप प्रज्वलन के साथ किया। ब्रह्माकुमारी संस्था के एडीशनल जनरल सेक्रेट्री राजयोगी ब्र.कु. बृजमोहन ने कहा कि इस स्थान के लिए यह गौरव का विषय है जो यहाँ इस कार्यक्रम का आयोजन हुआ और हज़ारों श्रोताओं ने इसमें हिस्सा लेकर लाभ अर्जित किया।

परमात्मा का होता है दिव्य अवतरण

गुड़गांव में स्थित ओम शान्ति रिट्रीट सेंटर की संचालिका ब्र.कु. आशा ने कहा कि गीता के अनुसार अति धर्मग्लानि के समय परमात्मा स्वयं इस धरा पर अवतरित होते हैं और वह शुभ समय अभी चल रहा है। ब्र.कु. ऊषा ने गीता के गूढ़ रहस्यों पर चर्चा की और श्रोताओं के प्रश्नों का समाधान भी किया। इनके अलावा हाईकोर्ट के न्यायधीश श्री राठी एवं जस्टिस यू. सी.महेश्वरी ने भी अपने-अपने विचार प्रकट किए। अन्य विशिष्ट व्यक्तियों में डॉ. स्वामी मुक्तानंद पुरी महाराज अलवर, महामंडलेश्वर डॉ. स्वामी श्यामदास महाराज, स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरि, महामंडलेश्वर स्वामी हरिओम गिरि, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष जस्टिस वी. ईश्वरैया एवं ज़ोनल इंचार्ज ब्र.कु. ओमप्रकाश शामिल रहे।

जबलपुर। श्रीमद्भगवद् गीता चतुर्थ राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन अवसर पर दीप प्रज्वलन करते हुए स्वामी चक्रपाणी, डॉ. मुक्तानंद पुरी, जस्टिस वी. ईश्वरैया, जस्टिस यू.सी. महेश्वरी, ब्र.कु. बृजमोहन, ब्र.कु. आशा, ब्र.कु. ओमप्रकाश तथा अन्य।

मूल्यों की ओर बढ़े युवाओं के कदम आने वाले सुखद समय का संकेत

ब्रह्माकुमारी संस्थान के शांतिवन में दीक्षांत समारोह आयोजित

शांतिवन। अन्नामलाई विश्वविद्यालय के दूरस्थ शिक्षा निदेशक एस.बी नागेश्वरराव ने कहा कि आज जहाँ युवा सांस्कृतिक मूल्यों से विमुख हो रहे हैं, वहीं इन युवाओं ने जीवन में मूल्य एवम् आध्यात्मिकता विषय पर डिग्री हासिल कर आने वाले सुखद समय का संकेत दिया है। वे ब्रह्माकुमारी संस्था के शांतिवन में मूल्य आधारित शिक्षा विषय पर डिग्री एवम् एमबीए कोर्स में उत्तीर्ण युवाओं के लिए आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जब ब्रह्माकुमारी संस्था के शिक्षा प्रभाग और अन्नामलाई विश्वविधालय के बीच मूल्य आधारित शिक्षा का समझौता हुआ तो यह उम्मीद नहीं थी कि इतनी बड़ी संख्या में युवा पूरे देश से शामिल होंगे, लेकिन पिछले तीन सालों में हज़ारों की संख्या में युवा पूरे देश से शामिल हुए हैं जो सुखद है। आभास होने लगा है कि अब युवाओं में मूल्यों का दौर शुरु होगा। शिक्षा प्रभाग के अध्यक्ष ब्र.कु. निर्वैर ने कहा कि ये युवा स्वयं के साथ दूसरों को भी मूल्यों के लिए प्रेरित करेंगे। कम देखने को मिलता है कि लोग मूल्यों को अपने जीवन में उतारने के साथ ही समाज में फैलाने का प्रयास करते हैं। बियानी ग्रुप ऑफ कॉलेज, जयपुर के निदेशक संजन बियानी ने कहा कि ये डिग्री धारक ध्यान से मूल्यों को सुनते हैं और अपने जीवन में उतारते हैं। इस पढ़ाई का यह बहुत

-शेष पेज 9 पर..

शांतिवन। ब्र.कु.शीलू, ब्र.कु.निर्वैर, ब्र.कु.मृत्युंजय, एस.बी नागेश्वरराव